



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 171]
No. 171]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, जुलाई 10, 2003/आषाढ़ 19, 1925
NEW DELHI, THURSDAY, JULY 10, 2003/ASADHA 19, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 2003

विषय : अमेरिका और कनाडा से विटामिन सी के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच।

सं. 14/25/2002-डीजीएडी.— भारत सरकार 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए :

क. प्रक्रिया

1. जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :
 - (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) को नियमावली के अधीन मै. साराभाई एम कैमीकल्स, जो मै. अंबालाल साराभाई एंटरप्राइजेज़ बड़ौदा, गुजरात की एक इकाई है, से तथा घरेलू उद्योग की ओर से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है जिसमें अमेरिका तथा कनाडा के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए विटामिन सी के पाटन का आरोप लगाया गया है।
 - (ii) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 19 के शीर्ष 2936.27.00 के अधीन वर्गीकृत अमेरिका तथा कनाडा के मूल के अथवा वहाँ

से निर्यातित विटामिन सी के आयातों के बारे में पाटनरोधी जाँच आरम्भ करने के लिए दिनांक 14 अगस्त, 2002 को भारत के राजपत्र, असाधारण में एक सार्वजनिक सूचना जारी की।

- (iii) प्राधिकारी ने जाँच शुरूआत की अधिसूचना, घरेलू उद्योग द्वारा दायर की गई अगोपनीय याचिका और प्रश्नावली प्रपत्र की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों, आयातकों उपभोक्ताओं तथा भारत में सम्बद्ध देशों के दूतावासों को भेजी जिसमें उनसे अनुरोध किया गया था कि वे अपने देश में उत्पादकों तथा निर्यातकों को निर्धारित समय सीमाओं के भीतर निर्धारित प्रपत्र में शुरूआत अधिसूचना का उत्तर देने के लिए सलाह दें।
- (iv) निर्दिष्ट प्राधिकारी को मै. रोश, अमरीका का प्रतिनिधित्व करने वाले मै. रोश, मुंबई को छोड़कर सम्बद्ध देश के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने उत्तर नहीं दिया।
- (v) प्राधिकारी ने अगली जाँच तक अंतिम रूप से पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश करने के लिए 1 नवंबर, 2002 को भारत के राजपत्र, असाधारण, में प्रकाशित एक सार्वजनिक सूचना (प्रारंभिक निष्कर्ष) जारी की। राजस्व विभाग द्वारा दिनांक 27 दिसम्बर 2002 की अधिसूचना सं. 143/2003 के द्वारा अंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।
- (vi) प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पक्षों को प्रारंभिक जाँच परिणामों की एक प्रति भेजी जिन्हें प्रारंभिक जाँच परिणामों पर अपने विचारों से, यदि कोई हो, पत्र की तारीख के 40 दिन के भीतर अवगत कराने के लिए अनुरोध किया;
- (vii) प्राधिकारी ने नई दिल्ली स्थित अमरीका तथा कनाडा के दूतावासों को प्रारंभिक जाँच परिणामों की एक प्रति इस अनुरोध के साथ भेजी कि वे अपने देश के निर्यातकों तथा उत्पादकों को प्रारंभिक जाँच परिणामों पर अपने-अपने विचारों को प्रस्तुत करने की सलाह दें।
- (viii) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षों को अपने विचारों को मौखिक रूप से 15 जनवरी, 2003 को प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया था। इसके अतिरिक्त मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने वाली सभी पार्टियों से मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में दर्ज करने का अनुरोध किया गया था। पार्टियों को प्रतिपक्षी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियाँ लेने और उसका खंडन, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था;

- (ix) प्रारंभिक निष्कर्षों की घोषणा से पहले हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्क, जिन्हें पहले अधिसूचित किए गए प्रारंभिक निष्कर्षों में प्रकाशित किया गया है, को संक्षिप्तता के कारण इसमें दोहराया नहीं गया है परंतु सभी हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों पर प्रारंभिक जाँच परिणामों और/या अंतिम जाँच परिणामों में विचार किए जाने का प्रस्ताव है।
- (x) उपरोक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार इन परिणामों के लिए विचारिक अनिवार्य तथ्यों/आधार को ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के समक्ष प्रकट किया गया है और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर भी अंतिम निष्कर्षों में विधिवत विचार किया जाएगा।
- (xi) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों के अगोपनीय अंशों वाली सार्वजनिक फाइल निरीक्षण हेतु उपलब्ध करवाई थी।
- (xii) प्राधिकारी ने लागत जाँच भी की और सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के आधार पर संबद्ध वस्तु की इष्टतम उत्पादन लागत, भारत में इसकी निर्माण एवं बिक्री की लागत निकाली।
- (xiii) यह जाँच 1 अप्रैल, 2001 से 31 मार्च, 2002 (12 माह) तक के लिए की गई थी।
- (xiv) *** यह चिन्ह इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का द्योतक है तथा नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उसे गोपनीय ही माना गया।

ख. याचिकाकर्ता के विचार

2.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध :

(क) जापान, चीन, यूरोपीय संघ और रूस से पाटन :

घरेलू उद्योग इससे पूर्व जापान, चीन, यूरोपीय संघ और रूस के निर्यातकों द्वारा किए गए भारी पाटन से क्षति उठा रहा था।

निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इन देशों से पाटन की जाँच की थी जिसके परिणामस्वरूप पाटनरोधी शुल्क लगाया गया है। इन देशों से हुए आयातों पर पहले से ही पाटनरोधी शुल्क लगाया जा रहा है। निदेशालय द्वारा चीन और जापान से विटामिन सी के मामले में पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा (निर्णायक) की जा रही है।

इन देशों/क्षेत्रों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद अमरीका और कनाडा ने अन्य देशों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का लाभ उठाते हुए भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु का पाटन शुरू कर दिया है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति हुई।

उपर्युक्त को देखते हुए अनुरोध है कि वर्तमान मामले में घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जाँच करते समय घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाने वाले जापान, चीन, यूरोपीय संघ और रूस से हुए पाटन पर खासकर घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले आर्थिक मापदंडों और बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में विचार किया जाना अपेक्षित है।

(ख) क्षति का संचयी मूल्यांकन :

क्षति के संचयी मूल्यांकन हेतु नियमों में निर्धारित मापदंड इस मामले में भली-भाँति पूरे होते हैं जैसे कि (क) प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों की मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक है; (ख) प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है; और (ग) आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उचित है।

(ग) याचिकाकर्ता ने इस बात की स्पष्ट तौर पर पुष्टि करते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी को विस्तृत सूचना उपलब्ध कराई है। घरेलू उद्योग को भारी क्षति हुई है और उस पर भरोसा किया गया है। याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि निम्नलिखित मापदंडों से संक्षेप में घरेलू उद्योग को हुई क्षति से पता चलता है :—

- (1) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों में समग्र रूप से अत्यधिक वृद्धि हुई है।
- (2) भारत में संबद्ध वस्तु के आयातों की तुलना में संबद्ध देशों से आयातों के हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हुई है।
- (3) भारत में माँग की तुलना में संबद्ध देशों से आयातों के हिस्से में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

(घ) घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले विभिन्न आर्थिक मापदंड :

- (1) घरेलू उद्योग का उत्पादन, क्षमता उपयोग जो 2000-01 से बढ़ता रहा था, जाँच अवधि में कम हो गया है।
- (2) बिक्री कीमत में कमी के बावजूद उद्योग की बिक्री मात्रा में भी गिरावट आई है।
- (3) घरेलू उद्योग को उसके उचित मूल्य से कम कीमत पर बिक्री करने के लिए बाध्य किया गया क्योंकि घरेलू उद्योग कीमतों की बराबरी के लिए बाध्य था। इस प्रकार घरेलू उद्योग आयातों के कारण उत्पाद की कम कीमत पर बिक्री के लिए बाध्य हुआ।
- (4) आयातित सामग्री का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम था जिससे भारतीय बाजार में कीमत में कटौती हुई।
- (5) स्टॉक का स्तर जिसमें कमी आ रही थी और जो 2000-01 में शून्य हो गया था, जाँच अवधि के दौरान अत्यधिक बढ़ गया।
- (6) आयातित सामग्री का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और उचित बिक्री कीमत से काफी कम है जिससे भारतीय बाजार में भारी कीमत कटौती और कीमत हास हुआ है।

- (7) घरेलू उद्योग भारतीय बाजार में लगातार पाटन के परिणामस्वरूप भारी वित्तीय घाटा उठा रहा है। अनेक देशों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद घरेलू उद्योग की वित्तीय स्थिति में सुधार होना चाहिए था। तथापि, घरेलू उद्योग भारी वित्तीय घाटा उठाता रहा।
- (8) घरेलू उद्योग नई पूँजी जुटाने अथवा नए निवेश की योजना बनाने में समर्थ नहीं है क्योंकि घरेलू उद्योग को अपने प्रचालनों में भारी घाटा हो रहा है।
- (9) पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम से अधिक है अपितु बहुत ज्यादा भी है। अत्यधिक पाटन मार्जिन से घरेलू उद्योग के निष्पादन पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।
- (10) वित्तीय घाटे के कारण संबंधित उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग का नकदी प्रवाह ऋणात्मक रहा है।
- (11) घरेलू उद्योग के रोज़गार के स्तर में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग को लगातार घाटे के परिणामस्वरूप कर्मचारियों के मस्तिष्क में असुरक्षा की भावना पैदा हो गई है।
- (12) कर्मचारियों में कमी के परिणामस्वरूप कर्मचारियों को प्रदान की जा रही कुल मजदूरी में भी कमी आई है। तथापि देश में विद्यमान कानून के अनुसार प्रति कर्मचारी औसत मजदूरी में वृद्धि हुई है।
- (13) प्रति कर्मचारी उत्पादकता में बढ़ोतरी मुख्यतः कर्मचारियों में कमी के कारण और उत्पादन में वृद्धि के कारण, कुछ देशों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण हुई है।

(ड) शुल्क अमरीकी डॉलर में :

हालाँकि, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पूर्व में ही अमरीकी डॉलर में पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की थी, यह निवेदन किया गया है कि अंतिम शुल्क भी अमरीकी डॉलर में लगाया जाए, ताकि विनिमय दर में परिवर्तन से सुरक्षा की मात्रा में कमी न आने पाए। तथापि शुल्कों की सिफारिश संदर्भ कीमत के अनुसार की जानी चाहिए।

(च) विचाराधीन उत्पाद :(i) घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन :

वर्तमान जाँच में विटामिन सी अपने सभी प्रकारों तथा अवकलजों सहित संबद्ध उत्पाद है। सह एस्कॉर्बिक एसिड के नाम से भी जाना जाता है। इसे सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अंतर्गत सीमा उपशीर्ष सं. 2936.27 के तहत वर्गीकृत किया गया है। जैसा कि "मर्क इंडेक्स की प्रविष्टि संख्या 867" में वर्णित किया गया है, यह विभिन्न प्रकार के समानार्थी शब्दों जैसे, एल-जायलो एस्कॉर्बिक एसिड, 3-ऑक्सो-गुलोफुरानोलैक्टोन (इनॉल फॉर्म), एल-3 कीटोथ्रियोहक्सियारॉनिक एसिड लैक्टोन इत्यादि, से भी जाना जाता है।

- (ii) वर्तमान जाँच में विचाराधीन उत्पाद अमरीका तथा कनाडा के मूल का तथा वहाँ से निर्यातित होने वाला विटामिन सी है। विटामिन सी को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय 29 तथा सीमा उपशीर्ष सं. 2936.27 के तहत वर्गीकृत किया गया है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है तथा किसी भी तरह से वर्तमान जाँच के कार्य क्षेत्र में बाधक नहीं है।

(छ) समान वस्तु :(i) घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

- (i) संबद्ध देशों से आयातित उत्पाद तथा भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु में, वस्तुगत तथा तकनीकी लक्षणों (अथवा उत्पाद विशिष्ट), विनिर्माण प्रक्रिया, संयंत्र तथा उपकरण तकनीक, कार्य तथा उपयोग, विपणन, कीमत निर्धारण, टैरिफ वर्गीकरण तथा ग्राहक बोध जैसे विषयों में अधिक भिन्नता नहीं है। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तु तथा विचाराधीन उत्पाद आपस में प्रतिस्थापनीय हैं;

- (ii) पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में यह विनिर्दिष्ट है कि 'समान वस्तु' का अर्थ वह वस्तु है जो जाँचाधीन वस्तु से मिलती जुलती या उसके सदृश्य है अथवा जिसे ऐसी वस्तु की अनुपस्थिति में जाँचाधीन वस्तु के समान गुणधर्मों वाली वस्तु से प्रतिस्थापित किया जा सकता है;
- (iii) याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु और संबद्ध देश से निर्यातित विटामिन सी में कोई ज्ञात अन्तर नहीं है। भारतीय उद्योग और संबद्ध देशों से आयातित विटामिन सी भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद तथा वस्तुओं का टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के रूप में समान हैं। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ताओं ने घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विटामिन सी का उपयोग एक दूसरे के स्थान पर किया है और कर रहे हैं।

घरेलू उद्योग की स्थिति

(ज) घरेलू उद्योग :

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध :

यह याचिका मै. अम्बालाल साराभाई एंटरप्राइजेज़ लि. द्वारा दायर की गई थी। भारत में विटामिन सी के दो अन्य उत्पादक हैं। मै. अमोली ऑर्गेनिक्स लि. इस उत्पाद के अन्य उत्पादक हैं। मै. जयंत विटामिन लि. ने भी संबद्ध वस्तु के उत्पादन के लिए क्षमता उत्पन्न की। तथापि कंपनी ने काफी पहले अपना उत्पादन बंद कर दिया था। दो उत्पादकों अर्थात् मै. न्यू एस कैम सर्च लि. और मै. कर्बस बायो कैमिकल्स लि. ने जाँच अवधि को बाद अपना उत्पादन आरंभ किया है, हालांकि कम मात्रा में। मै. कार्डिनल्स ड्रग्स लि. और मै. टोनिरा फार्मा जैसी अन्य यूनिट हैं जो जाँच अवधि के पश्चात् निर्यात के उद्देश्य से विटामिन सी का उत्पादन कर रही हैं। याचिकाकर्ता का भारतीय उत्पादन में काफी बड़ा हिस्सा बनता

है और इस प्रकार यह पाटनरोधी शुल्क नियमों के अन्तर्गत इस स्थिति को पूरा करते हैं।

2.2 न्यू एस कैम सर्च लि. द्वारा किए गए अनुरोध :

(क) वे प्राधिकारी के ध्यान में यह बात लाना चाहेंगे कि हमारे पास साल्बी (जिला वदोदरा) में स्थित हमारे संयंत्र में बहुउद्देश्यी बल्क ड्रग सुविधा है जिसमें हम बहुत सी बल्क औषधियाँ, मध्यवर्ती और विशिष्ट रसायन तैयार करते हैं। अपने क्रियाकलापों को बढ़ाने और अपनी विनिर्माण क्षमताओं का उपयोग करने के उद्देश्य से उन्होंने पहले ही चालू वर्ष के दौरान मध्यवर्ती अवस्था से विटामिन सी का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर दिया। यद्यपि हमें मालूम होता है कि आयातित विटामिन सी अभी बाजार में मौजूद है और पाटनरोधी शुल्क लगाने के बावजूद कम कीमत पर उपलब्ध है। इसके मद्देनजर उनका अपना उत्पादन सीमित रहा है। उन्होंने हमारी सुविधाओं के लिए अन्य पक्षों को संविदात्मक विनिर्माण के लिए पेशकश की है।

(ख) इस प्रकार वे प्राधिकारी से अनुरोध करते हैं कि वे कृपया जाँच आरंभ करें और पाटनरोधी शुल्क लगाने की प्रक्रिया को पूरा करें जैसा कि हाल ही की अधिसूचनाओं में आरंभ किया गया है। यह विटामिन सी के देशीय विनिर्माताओं को आयातित सामग्री की कीमतों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का एक उचित अवसर प्रदान करेगा।

2.3 कॉर्बस बायोकेमिकल्स लि., हैदराबाद द्वारा किए गए निवेदन :

(क) उन्हें पता चला है कि मंत्रालय ने विटामिन सी के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए कार्रवाई आरंभ कर दी है। वे सूचित करना चाहते हैं कि वे खमीर उठाने की प्रक्रिया पर आधारित बल्क औषधियों के प्रमुख उत्पादक हैं और उनकी घरेलू और निर्यात बाजार में मौजूदगी है। विटामिन सी उन उत्पादों में से एक है जहाँ खमीरीकरण अवस्था शामिल है और इसलिए हम इस मद का उत्पादन खमीरीकरण अवस्था के आरंभ से कर रहे हैं। चालू वर्ष के दौरान हमने कुछ प्रयोगात्मक उत्पादन किया है।

रखना मुश्किल है जब तक देशीय रूप से खमीरीकरण द्वारा मध्यवर्ती 2-क्वीटो गुलोनोक एसिड का विनिर्माण करके इस मद का उत्पादन करने के लिए अपनी योजना तैयार न कर लें। यह इसलिए है क्योंकि विटामिन सी का आयात पाटनरोधी शुल्क लगाने के बावजूद विभिन्न माध्यमों से होना जारी है। इसलिए वे प्राधिकारी से अनुरोध करते हैं कि वे कृपया ऐसे देशों के विरुद्ध उपयुक्त पाटनरोधी शुल्क लगाएं, जो पाटित कीमतों पर इस सामग्री का निर्यात कर रहे हैं और साथ ही उपयुक्त प्रवर्तन प्रक्रिया आरंभ करें। यह निश्चित रूप से प्रौद्योगिकी का विकास करने में मदद करेगा और उन्हें मूल अवस्था से विटामिन सी तैयार करने के लिए उचित निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

रूप से प्रौद्योगिकी का विकास करने में मदद करेगा और उन्हें मूल अवस्था से विटामिन सी तैयार करने के लिए उचित निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

2.4 मे. एंग्लो फ्रेंच ड्रग्स एंड इंडस्ट्रीज लि., बेंगलौर :

- (1) उन्होंने उल्लेख किया है कि वे विटामिन सी प्लेन के नवीनतम उपभोक्ता हैं, जो अपनी स्वयं की किस्म निरूपणों का प्रयोग करते हैं।
- (2) विटामिन सी के स्थानीय विनिर्माता अपनी स्वयं की समस्याओं और कारणों से वास्तविक प्रयोक्ता को सामग्री प्रस्तुत करने की स्थिति में नहीं हैं।
- (3) विटामिन सी पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के परिणामस्वरूप निर्धारित कीमतों में पर्याप्त वृद्धि हुई है।
- (4) घरेलू उद्योग देश में विटामिन सी की माँग को पूरा करने की स्थिति में नहीं है।
- (5) प्राधिकारी देश के स्वास्थ्य संरक्षण उद्योग के हित में कनाडा और अमरीका से आयातित विटामिन सी पर से तुरंत पाटनरोधी शुल्क हटाने के लिए विचार कर सकते हैं और उचित निर्णय ले सकते हैं।

अन्य मुद्दे2.5 मै. बजाज हेल्थकेयर प्रा. लि. द्वारा प्रस्तुत निवेदन :अपूर्ण याचिका

- 1.0 उन्होंने उल्लिखित याचिका के संबंध में आवेदन प्रपत्र के पृष्ठ 2 "सामान्य" शीर्षक के अन्तर्गत पैरा 1 की ओर ध्यान आकर्षित किया है।
- 1.1 याचिका के भाग 1 में प्रस्तुत आयातित उत्पाद सूचना बी.पी./यू.एस.पी. विनिर्दिष्टता के समनुरूप विटामिन सी और टाइप 'ए' कोटिड विटामिन सी से संबंधित है। तथापि बाद में प्रस्तुत की गई सूचना पर्याप्त नहीं है। केवल बी.पी./यू.एस.पी. विनिर्दिष्टता के समनुरूप विटामिन सी से संबंधित है। विटामिन सी टाइप 'ए' कोटिड के संबंध में कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है।
- 1.2 याचिका के भाग 2 में पिछले दो वर्षों और चालू वर्ष के दौरान संबद्ध वस्तु के उत्पादन (मात्रा और कीमत) के साथ-साथ सभी भारतीय उत्पादकों के नाम और पते नहीं दिए गए हैं। यह सूचना पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार याचिकाकर्ता की स्थिति का निर्धारण करने के लिए आवश्यक हैं। तथापि याचिकाकर्ता ने याचिका दायर करने के लिए अपनी स्थिति को गलत ढंग से न्यायोचित सिद्ध करने हेतु जानबूझ कर सूचना को छिपाया है।
- 1.3 याचिकाकर्ता ने अमरीका और चीनी टाइपेई में विटामिन सी के सामान्य मूल्य से संबंधित सूचना प्रस्तुत नहीं की है और इसे गोपनीय के रूप में चिह्नित किया है।
- 2.0 साक्ष्य की सिद्धता और पर्याप्तता की जाँच किए बगैर पाटनरोधी जाँच शुरू करना
- 3.0 जाँच प्रारम्भ अधिसूचना में अपर्याप्त सूचना

4.0 नियमों के प्रावधानों के विपरीत प्रारंभिक जाँच परिणाम

5.0 पाटनरोधी शुल्क निर्यातक विशिष्ट है।

6.0 गोपनीयता के प्रावधान का दुरुपयोग

7.0 अधिसूचना सं. 143/2002-सीमाशुल्क दिनांक 27.12.2002 कानून के प्रावधानों के विपरीत

8.0 जाँच का समापन।

उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अनुरोध किया है कि पाटनरोधी जाँच को पाटनरोधी नियमावली के नियम 14(ख) और 14(ड) के अन्तर्गत समाप्त किया जाना चाहिए।

2.7 घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत निवेदन :

प्रारंभिक निवेदन :

प्रारंभ में याचिकाकर्ता ने निवेदन किया कि :—

- विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत लिखित निवेदन के संबंध में विलंब किया गया और निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निर्धारित सीमाओं के भीतर प्रस्तुत नहीं किया गया और इन पर निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विचार नहीं किया जाना चाहिए।
- विरोधी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया है जो विरोधी हितबद्ध पक्षकार की दुर्भावना को प्रदर्शित करने को पर्याप्त है।
- पूरी कार्यवाही के साथ-साथ निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपेक्षाई जा रही प्रक्रिया पर विरोधी हितबद्ध पक्षकार द्वारा अनेक आरोप लगाए गए हैं तथा अनेक असंगत मुद्दे उठाए हैं।

- उनके निवेदनों के प्रति बिना किसी पूर्वाग्रह के, कि विरोधी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत लिखित निवेदन समय सीमाओं के भीतर नहीं है और निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उन पर कोई कार्रवाही नहीं की जानी चाहिए, पैराग्राफवार टिप्पणियाँ इस प्रकार हैं :—

मै. बजाज हेल्थ केयर प्रा. लि. द्वारा व्यक्त विचारों पर घरेलू उद्योग की टिप्पणियों के संबंध में प्रकटन विवरण में विचार विमर्श किया गया है।

2.8 प्राधिकारी के विचार :

- 1) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अंतिम जाँच परिणामों के निर्धारण के लिए सभी संगत तर्कों पर विचार किया है।
- 2) मै. बजाज हेल्थ केयर के निवेदनों पर :
 - (i) प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. बजाज हेल्थ केयर ने प्रश्नावली में सूचना निर्धारित प्रपत्र और निर्धारित तरीके से प्रस्तुत नहीं की है।
 - (ii) प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिका के अगोपनीय रूपान्तर की प्रति के लिए किए गए अनुरोध को स्वीकार करके टिप्पणियाँ प्रस्तुत करने के लिए उन्हें वह उपलब्ध करा दी गई थीं।
 - (iii) विरोधी हितबद्ध पक्षकार का आरोप रिकॉर्ड को तथ्यों पर विचार किए बिना लगाया गया है। सम्भवतः विरोधी हितबद्ध पक्षकार ने घरेलू बिक्री कीमत, संबद्ध वस्तु के उत्पादन की लागत, जिन्हें गोपनीय कहा गया है और प्राधिकारी द्वारा इसी रूप में स्वीकार किया गया है, के बारे में याचिकाकर्ताओं द्वारा दायरे की गई याचिका के विभिन्न गोपनीय दस्तावेजों का उल्लेख किया है।
 - (iv) जहाँ तक देश में संबद्ध वस्तु के बिनिर्माताओं की संख्या का संबंध है याचिका में यह उल्लेख किया गया है कि भारत में

विटामिन सी के दो अन्य विनिर्माता हैं। मै. अमोली ऑर्गेनिक्स ने भी याचिका का समर्थन किया है। अन्य उत्पादकों के संबंध में यह मालूम होता है कि उनके द्वारा किया गया उत्पादन नगण्य है अथवा जाँच के बाद का है और निर्यात प्रयोजनों के लिए है। इसके अतिरिक्त इनमें से कुछ पक्षकारों ने याचिका का समर्थन किया है।

- (v) निर्दिष्ट प्राधिकारी की यह परम्परा है कि जाँच प्रारंभ करने से पहले घरेलू उद्योग के साथ किए गए पत्राचार को प्रकट न किया जाए और न ही इसकी कोई आवश्यकता है क्योंकि याचिकाकर्ता ने जाँच प्रारंभ से पहले अद्यतन और पूरी तरह प्रलेखित याचिका दायर की थी, जिसमें उन सभी मुद्दों का उल्लेख किया गया था, जो जाँच प्रारंभ करने से पहले सामने आए थे।
- (vi) जाँच प्रारंभ अधिसूचना में स्पष्ट रूप से यह उल्लेख है कि पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध का प्रथम दृष्टया साक्ष्य है। इस प्रकार नियम 5(2) का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि 'जांच प्रारंभ' करने का प्रयोजन 'जांच पड़ताल' करना है। यह तर्क नहीं दिया जा सकता कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को जांच प्रारंभ करने से पहले मामले की जांच पड़ताल करनी चाहिए।
- (vii) सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत निर्धारण करने में प्रयोग की गई पद्धति प्रारंभिक जांच परिणाम में पृष्ठ सं. 26 के बाद पैराग्राफ ज. के अन्तर्गत दी गई है।
- (viii) नियम 17(3) में मात्र यह बताया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को व्यक्तिगत निर्यातक के लिए अलग पाटन मार्जिन निर्धारित करना चाहिए। तथापि ऐसा विशिष्ट शुल्क उत्तर देने वाले निर्यातकों के संबंध में ही निर्धारित किया जा सकता है। असहयोगी निर्यातकों के संबंध में विशिष्ट/व्यक्तिगत शुल्क की मांग नहीं की जा सकती और वर्तमान मामले में किसी भी निर्यातक ने जांच पड़ताल में सहयोग नहीं किया है।

ग. निर्यातकों/आयातकों और अन्य हितबद्ध पत्रकारों के विचार :

3.0 निर्यातकों के विचार :

3.1 मै. रोश साइंटिफिक कंपनी (आई) प्रा. लि., विटामिन्स एंड फाइल कैमिकल्स डिविजन, मुंबई

उत्पादक मै. रोश का प्रतिनिधित्व करते हुए मै. रोश, मुंबई ने कहा है कि न तो निर्यातक और न ही इसके सहयोगियों को अमरीका मूल के विटामिन सी पर पाटनरोधी शुल्क के लिए याचिका और प्रारंभिक जांच के बारे में कोई पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। उन्होंने प्राधिकारी को जांच प्रारंभ सूचना का उत्तर देने के लिए मुकदमा लड़ने हेतु कम से कम एक महीने की अवधि बढ़ाने के लिए अनुरोध किया है।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि दिनांक 25.10.2000 के निवेदन के तहत प्रस्तुत की गई सूचना की जांच की गई थी और उसमें कमी पाई गई थी। इसकी सूचना 26.11.2002 के डी.जी.ए.डी के पत्र के तहत दी गई थी।

1. दिनांक 25 अक्टूबर, 2002 को फैक्स के तहत भेजी गई सूचना में बताए गए सभी अनुबंध नहीं हैं। अनुबंध 11-2002 के रूप में समाप्त वर्ष के लिए आई डी एम ए द्वारा प्रकाशित वार्षिक प्रकाशन की प्रति संलग्न नहीं थी। उत्तर की कागज वाली प्रति अब भी प्राप्त नहीं हुई है।
2. निवेदन के अनुसार मुख्य सत्ता मै. रोश अमरीका उत्पादक हैं। केवल मै. रोश सिंगापुर द्वारा सूचना प्रस्तुत की गई मालूम होती है।
3. घरेलू बिक्रियों के अन्तर्गत सूचीबद्ध बहुत से सौदे (अनुबंध 1 देखें) जांच के बाद की अवधि से संबंधित हैं। जांच अवधि के दौरान की गई समस्त घरेलू बिक्रियां प्रस्तुत की जा सकती हैं।

4. कृपया निर्यातक प्रश्नावली के पैरा ख से ज के अनुसार सूचना प्रस्तुत करें।
5. परिशिष्ट 3, 5, 7, 8 एवं 9 के साथ परिशिष्ट क, ख प्रस्तुत करें।
6. जांच अवधि तथा पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए कंपनी का तुलन पत्र, लाभ एवं घाटे का लेखा प्रस्तुत करें।
7. भारत में कंपनी से संबंधित शाखा तथा भारत को विपणन और बिक्री व्यवस्था का विस्तार कर सकते हैं।
8. कृपया जवाब की कागजा प्रति दो प्रतियों में प्रस्तुत करें तथा अपरिवर्तनीय रूप से एक सॉफ्ट कॉपी (फ्लॉपी डिस्कट/कॉम्पैक्ट डिस्क पर) साथ भेजी जानी चाहिए।

निर्यातकों से इन कमियों को दूर करने तथा 20.12.2002 तक अतिरिक्त सूचना प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। तथापि, प्राधिकारी को निर्यातक से कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ था।

3.2 मै. विटा हेल्थ प्रोडक्ट्स, 150, बेगिन एवेन्यू, विनिपेग, मानीटोबा आर 21 3 डब्ल्यू 2

उन्होंने सूचित किया है कि वे प्रश्नावली को पूरा नहीं कर पाएंगे क्योंकि मै. विटा हेल्थ प्रोडक्ट्स आई.एन.सी. ने जांच अवधि के दौरान भारत को विटामिन सी का निर्यात नहीं किया है। उन्होंने यह भी इंगित किया है कि मै. स्टेब्ले फार्मास्यूटिकल्स (वर्ष 2002 से विटा हेल्थ प्रोडक्ट्स के स्वामित्व में) ने भारत में किसी भी संगठन को विटामिन सी का निर्यात नहीं किया है।

3.3 मै. टेक इंटरनेशनल, जॉनस्टाउन, ओ एच 43031

उन्होंने बताया है कि टेक इंटरनेशनल रबड़ ट्यूबों तथा टायर मरम्मत का विनिर्माता है। टेक उत्पादों का व्यापक तौर पर टायर उद्योग, यात्री वाहन, ट्रकों तथा बसों में प्रयोग किया जाता है।

उन्होंने इंगित किया है कि वे विटामिन सी तथा इसके व्युत्पत्तियों के व्यापार में शामिल नहीं हैं तथा किसी भी रूप में विटामिन सी का निर्यात भारत को नहीं किया है।

3.4 मै. वाटफोर्ड केमिकल्स कं. लि.

निर्यातकों ने इंगित किया है कि उन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर भारत को विटामिन सी का निर्यात नहीं किया है। उन्होंने बताया है कि उन्होंने सिर्फ उत्तरी अमरीका तथा यूरोप को निर्यात किया है।

3.5 कनाडा उच्चायोग, नई दिल्ली

उन्होंने बतलाया है कि उन्होंने शिकायत में अभिज्ञात निर्यातकों से संपर्क किया है तथा इस बात की संपुष्टि की है कि कनाडा के निर्यातकों द्वारा भारत को विटामिन सी का कोई निर्यात नहीं किया गया था। कनाडा की निर्यात सांख्यिकी तथा विश्व व्यापार एटलस (वैश्विक निर्यात और आयात के संबंध में आंकड़ों का एक बैंक) जांच अवधि के दौरान शून्य निर्यात को दर्शाते हैं। इन परिस्थितियों में, उन्होंने प्राधिकारी से जांच समाप्त करने का अनुरोध किया है।

3.6 मै. नोवोफार्म लि., ओनटेरियो, कनाडा

उन्होंने बतलाया है कि उन्होंने जांच अवधि के दौरान विटामिन सी का विनिर्माण नहीं किया तथा भारत को कोई बिक्री नहीं की है।

3.7 आयातकों/उपयोगकर्ताओं के विचार

मै. गांधी फार्मास्यूटिकल्स, चेन्नई, मै. बजाज हेल्थ केयर, मुंबई, मै. दि केमिस्ट संड ड्रगिस्ट एसोसिएशन, मुंबई, मै. कवरलाल एवं सन्स, चेन्नई।

(क) घरेलू उद्योग अंतिम चरण का मध्यवर्ती 2-केटोग्लूओनिक अम्ल का चीन से आयात कर रहा है तथा उनकी उत्पादन लागत निर्यातक देशों के उत्पादकों से पर्याप्त रूप से कम है।

(ख) याचिकाकर्ता द्वारा अर्पण की गई तथा संबद्ध देशों द्वारा उत्पादित प्रौद्योगिकियों के बीच अंतर है।

(ग) 2-केटोग्लूओनिक अम्ल से उत्पादन लागत काफी कम है। यदि इसी उत्पादन लागत को चीन ताईपेई के लिए मान लिया जाए, तो चीन ताईपेई में विनिर्माता का सामान्य मूल्य 11.66 अमरीकी डॉलर/किग्रा नहीं हो सकता है। यह स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होता है कि याचिकाकर्ताओं द्वारा आंकड़ों का संविरचन किया गया है।

(घ) अमोली ऑर्गेनिक्स लि. बाजार में नया प्रवेशकर्ता है तथा जैसा कि याचिका में उल्लिखित है उनका उत्पादन हिस्सा काफी कम है। तथापि, आयात से उन्हें तथा हमें कोई क्षति नहीं हुई है। यह प्रदर्शित करता है कि वे अकुशल तथा अक्षम हैं जिनके कारण उन्हें क्षति हो रही है। उन्होंने उत्पाद के अन्य विनिर्माता जैसे मै. न्यू एस. केम. सर्व लि., कै. कर्बस बायोकेमिकल्स लि., मै. कार्डनिल्स ड्रग्स लि., मै. लचेम फार्मास्यूटिकल्स लि., मै. टोनिरा फार्मा लि., मै. लेक्योर फार्मास्यूटिकल्स लि., आदि जिन्हें आयातों के कारण कोई क्षति नहीं हुई है, के बारे में सूचना को जानबूझकर रोका है।

3.8 प्राधिकारी का विचार :

मै. रोश द्वारा मांगे गए समय विस्तार के संबंध में यह नोट किया गया है कि कंपनी समय वृद्धि मांगते समय पर्याप्त कारण बताने में विफल रही है जैसा कि नियमावली में परिकल्पित है। अतः समय वृद्धि की अनुमति नहीं दी गई थी। इसके अलावा, निर्यातकों से प्रश्नावली में उनके उत्तर में इंगित की गई कमियों को दूर करने तथा अतिरिक्त सूचना हर हालत में 20.12.02 तक प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। तथापि प्राधिकारी को निर्यातक से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ था।

संबद्ध देश कनाडा से शून्य निर्यात के दावों के संबंध में, यह देखा जाता है कि डी.जी.सी.आई.एंड एस., कोलकाता द्वारा पर्याप्त आयात की रिपोर्ट दी गई है। इसके अलावा, डी.जी.सी.आई. एंड एस., कोलकाता, ने जांच अवधि के लिए कनाडा से आयातों का सौदा-वार ब्यौरा प्रस्तुत किया। चूंकि अधिकांश आयात चेन्नई और मुंबई पत्तनों के जरिए किए गए हैं इसलिए संबंधित सीमाशुल्क समाहर्ताओं से कनाडा से संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। चेन्नई सीमाशुल्क ने 17.6.2003 के अपने पत्र सं. एस. 58/7/2003-एपीपीजी (मेन) के तहत यह सूचना दी थी कि जांच अवधि के दौरान 57.95 मी.टन का आयात किया गया है जो न्यूनतम सीमा से काफी अधिक कुल आयातों का लगभग 9.5% बनता है। इसके अलावा प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रकटन विवरण पर कनाडा के दूतावास से कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई है। याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत किए गए आयातों का साक्ष्य, जैसा कि 'केमिकल विकली', मुंबई द्वारा रिपोर्ट किया गया, भी यह इंगित करता है कि कनाडा से आयात हुए हैं।

घ. उठाए गए मुद्दों की जांच :

- 4.0 याचिकाकर्ता तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों की जांच की गई है तथा नियमों के संदर्भ में तथा इस मामले से संबंधित मुद्दों पर विचार किया गया है तथा अधिसूचना में उचित स्थान पर कार्यवाही की गई है।

ङ. विचाराधीन उत्पाद एवं जांच की व्याप्ति

- 5.0 वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद अमरीका तथा कनाडा मूल अथवा वहां से निर्यातित विटामिन सी है। विटामिन सी को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 में सीमाशुल्क उप-शीर्ष सं. 2936.27 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। तथापि वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और किसी भी प्रकार से वर्तमान जांच में बाध्यकारी नहीं है।

किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा यह दावा करते हुए कि याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित विटामिन सी तथा निर्यातकों द्वारा उत्पादित तथा निर्यातित विटामिन सी विचाराधीन उत्पाद के संबंध में अलग-अलग है, कोई तर्क नहीं किया गया है। इसलिए, निर्दिष्ट प्राधिकारी इस संबंध में प्रारंभिक जांच परिणाम की संपुष्टि करते हैं।

च. समान वस्तुएं

- 6.0 पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (घ) में यह विनिर्दिष्ट है कि 'समान वस्तुओं' का अर्थ उस वस्तु से है जो जांचाधीन उत्पाद से मिलती जुलती है या उसके सदृश्य है अथवा ऐसी किसी वस्तु की अनुपस्थिति में, दूसरी वस्तु जो जांचाधीन वस्तु के समान गुणधर्मों वाली हो।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा बेची गई विटामिन सी तथा संबद्ध देशों से आयातित विटामिन सी समान गुणधर्मों वाली है तथा इसे समान वस्तुओं के रूप में माना जाना चाहिए। याचिकाकर्ताओं ने यह भी दावा किया है कि याचिकाकर्ता द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी तथा इन देशों में उत्पादकों द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी में कोई विशिष्ट अन्तर नहीं है। यद्यपि, हर विनिर्माता उपलब्ध सुविधाओं तथा आवश्यकताओं के अनुसार उत्पादन प्रक्रिया का संवर्धन करते हैं।

- 7.0 प्राधिकारी ने देखा है कि इस मुद्दे पर कोई बहस नहीं है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विटामिन सी आयातित सामग्री से गुणधर्मों के मामले में बिल्कुल मिलता जुलता है और वाणिज्यिक तथा तकनीकी दृष्टि से संबद्ध देशों से आयातित विटामिन सी का स्थान ले सकता है। नियम 2(घ) के अर्थों में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विटामिन सी को अमेरिका और कनाडा से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु माना गया है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी इस संदर्भ में प्रारंभिक जांच परिणामों की संपुष्टि करते हैं।

छ. घरेलू उद्योग

- 8.1 याचिका मै. अम्बालाल साराभाई एंटरप्राइजेज़ लिमिटेड द्वारा दायर की गई है जिसका पंजीकृत कार्यालय वाडी, बड़ौदा-390007 में है। भारत में विटामिन सी के दो उत्पादक हैं। इस उत्पाद का अन्य उत्पादक मै. अमोली ऑर्गेनिक्स लि. है। मै. जयन्त विटामिन लि. ने भी विटामिन सी के उत्पादन से क्षमता सृजित की थी, तथापि, कंपनी बंद है।
- 8.2 प्राधिकारी नोट करते हैं, मै. न्यू एस. हेम सर्च लि., बड़ोदरा एवं मै. कर्बस बायोकेमिकल्स लि., हैदराबाद ने जांच अवधि के पश्चात उत्पादन शुरू कर दिया है, जबकि, मै. कार्डिनल्स ड्रग्स लि., मै. टोनिरा फार्मा, आदि जैसी अन्य इकाईयां निर्यात के प्रयोजनार्थ उत्पाद तैयार कर रही हैं। इसके अलावा मै. बजाज हेल्थ केयर ने या तो इन कंपनियों के बारे में या संबद्ध वस्तुओं की अपनी स्थिति के बारे में कोई परिमाणित आंकड़ा नहीं दिया है।
- 8.3 प्राधिकारी का मानना है कि याचिकाकर्ता भारतीय उत्पादन का मुख्य हिस्सा उत्पादित करता है और इस प्रकार नियमों के तहत स्थिति को पूरा करते हैं।

ज. पाटन

- 9.0 सामान्य मूल्य निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन और प्राधिकारी द्वारा जांच का वर्णन निम्नानुसार है :-

सामान्य मूल्य

धारा 9(क)(1)(ग) के अधीन किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है :

- (i) सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तुओं के लिए उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिर्दिष्ट

तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए आशयित हो ; या

- (ii) जहां निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु की कोई बिक्री नहीं हो या विशेष बाजार दशा के कारण अथवा निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में बिक्रियों की कम मात्रा के कारण, ऐसी बिक्रियों की वजह से समुचित तुलना नहीं हो सकती हो तो सामान्य मूल्य या तो :

(क) निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से आयात किए जाने पर समान वस्तु का उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य होगा ; या

(ख) उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निश्चित प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित वृद्धि के साथ वस्तु मूल के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत ;

बशर्ते कि वस्तु का आयात जब मूलता के देश से भिन्न अन्य किसी देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु निर्यात के देश से केवल गुजरी हो या ऐसी वस्तु निर्यात के देश में उत्पादित नहीं होती हो या निर्यात के देश में उसका कोई तुलनात्मक मूल्य नहीं हो तो इसके सामान्य मूल्य का निर्धारण मूलता के देश में इसके मूल्य के संदर्भ में किया जाएगा।

- 9.2 प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के विटामिन सी के सभी ज्ञात निर्यातकों और उत्पादकों को प्रश्नावलियां भेजीं। तथापि संबद्ध देशों के किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी को कोई उत्तर नहीं भेजा और प्राधिकारी द्वारा निर्धारित फार्म और तरीके से मांगी गई कोई सूचना भी नहीं भेजी है। अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध देशों के किसी भी निर्यातक ने सहयोग नहीं दिया जैसाकि नियमों के अंतर्गत विचार किया गया है। इन परिस्थितियों में

सामान्य मूल्य घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई कीमत संबंधी सूचना और अमेरिका के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर आधारित है। कनाडा के लिए सामान्य मूल्य, इसी क्षेत्र/महाद्वीप में प्रचलित कीमतों के आधार पर माना गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए सामान्य मूल्य *** अमेरिकी डॉलर प्रति किग्रा और कनाडा के लिए *** अमेरिकी डॉलर प्रति किग्रा निर्धारित किया गया है।

9.3 मै. रोश (मै. रोश, सिंगापुर) द्वारा दायर उत्तर अत्यंत त्रुटिपूर्ण था जैसाकि ऊपर उल्लेख किया गया है निर्यातक ने उक्त त्रुटि में सुधार नहीं किया है और सूचना प्रस्तुत करने के लिए प्रदत्त पर्याप्त समय और अवसर के बावजूद उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी से मांगी गई अप्रदत्त सूचना का स्वरूप सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु महत्वपूर्ण है। इन परिस्थितियों में प्राधिकारी को सामान्य मूल्य निर्धारित करने हेतु उत्तर को स्वीकार करने से वंचित किया गया है।

9.4 अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध देश के किसी भी निर्यातक ने नियमों में की गई परिकल्पना के अनुसार प्राधिकारी को सहयोग नहीं किया है। इन परिस्थितियों में सामान्य मूल्य को घरेलू उद्योग द्वारा यू.एस.ए. में संबद्ध वस्तु के एक उत्पादक की कीमत संबंधी सूचना अर्थात् कीमत सूची पर आधारित किया गया है। कनाडा के लिए सामान्य मूल्य को उसी क्षेत्र/महाद्वीप में कीमत (अर्थात् यू.एस.ए. में प्रचलित कीमत) पर आधारित किया गया है। यू.एस.ए. और कनाडा के लिए सामान्य मूल्य *** अमेरिकी डॉलर प्रति किग्रा निर्धारित किया गया है।

निर्यात कीमत

9.5 संबद्ध देशों के किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी को कोई उत्तर नहीं दिया और कोई सूचना नहीं भेजी है। विटामिन सी सीमा शुल्क सं. 2936.27 उपशीर्ष के अंतर्गत वर्गीकृत है। जांच अवधि के दौरान डी.जी.सी.आई. एंड एस. द्वारा संकलित सूचना के आधार पर निर्यात कीमत निर्धारित की गई है।

औसत निर्यात कीमत में कमीशन, अंतर्देशीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा, पैकिंग एवं हैंडलिंग प्रभारों का समायोजन किया गया है। यू.एस.ए. के लिए निर्यात मूल्य *** अमेरिकी डॉलर प्रति किग्रा और कनाडा के लिए *** अमेरिकी डॉलर प्रति किग्रा निर्धारित किया गया है।

9.4 पाटन मार्जिन

उचित तुलना से संबंधित नियम में सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना की निम्नानुसार व्यवस्था की गई है :

"पाटन मार्जिन निकालते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेगा। यह तुलना व्यापार के समान स्तर पर सामान्यतः कारखाना द्वार स्तर पर की जाएगी और यथासंभव उसी समयावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी। जो अंतर तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण-दोष के आधार पर समुचित छूट दी जाएगी। अंतर में शामिल हैं :— बिक्री की शर्तें एवं नियम, कराधान, व्यापार के स्तर, मात्राएं, वास्तविक विशेषताएं तथा अन्य अंतर जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं।"

प्राधिकारी ने, जहां भी उपयुक्त हो, संबद्ध देश के सभी निर्यातक/उत्पादकों के लिए पाटन मार्जिन के मूल्यांकन के लिए जांच अवधि में भारत औसत सामान्य मूल्य की तुलना भारत औसत कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत के साथ की है।

निर्यातक/उत्पादक के लिए पाटन मार्जिन निम्नानुसार निकलता है

देश	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	निर्यात मूल्य के % के रूप में पाटन मार्जिन
अमरीका	***	***	***	97.80
कनाडा	***	***	***	112.26

झ. क्षति

10.0 उपरोक्त नियम 11 अनुबंध-II के तहत जब क्षति के बारे में किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जाता है तो इस प्रकार के निष्कर्ष में "..... पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमतों पर उनके प्रभाव तथा इस प्रकार की वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए" घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा। पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय प्राधिकारी इस बात पर विचार करते हैं कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से या भारत में उत्पादन और खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि पाटित आयातों के कारण भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में कीमत में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है अथवा क्या इस प्रकार के आयातों से कीमतों में अन्य उल्लेखनीय स्तर तक गिरावट आई है, अथवा कीमत वृद्धि में अन्यथा रुकावट आई है जो कि अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती ;

नियमावली के अनुबंध-II के नियम (III) में यह प्रावधान है कि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के आयातों के मामले में जब पाटनरोधी जांच एक साथ की जा रही हो तो निर्दिष्ट प्राधिकारी इस प्रकार के आयातों के प्रभाव का संचयी रूप से आंकलन करेगा। ऐसा मूल्यांकन तभी होगा जब यह निर्धारित हो कि :

- (क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में प्रमाणित किए गए पाटन का मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त 2 प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयातों की मात्रा भारत में समान वस्तु के आयात का 3 प्रतिशत है ; तथा
- (ख) आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों की दृष्टि से उचित है।

1. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन मार्जिन तथा संबद्ध देशों से हुए आयातों की मात्रा उपरोक्त निर्धारित सीमा से अधिक है। संबद्ध देशों से हुए आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उचित है क्योंकि इन देशों की निर्यात कीमतें भारतीय बाजारों में घरेलू उद्योग द्वारा पेशकश की गई कीमतों के साथ प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा कर रही हैं तथा यहां घरेलू उत्पादकों की जगह ले रही हैं।

2. संबद्ध देशों से आयात में समग्र रूप से भारी वृद्धि :

संबद्ध देशों से विटामिन सी के आयातों में समग्र रूप से वृद्धि हुई है। भारतीय पाटनरोधी नियमों का अनुबंध (II) (ii) निम्न प्रकार से बताया गया है :

"पाटित आयातों की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी यह विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारी वृद्धि हुई है।"

मौजूदा मामले में संबद्ध देशों से विटामिन सी के आयातों में पूरी तरह वृद्धि हुई है जैसाकि नीचे सारणी में देखा जा सकता है :

विवरण	इकाई	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02
आयात					
चीन* से आयात	एम. टी	405.54	227.73	290.67	130.97
जापान* से आयात	एम. टी	312.70	239.70	49.50	1.70
ई.यू. और रूस* से आयात	एम. टी	267.20	631.60	43.54	16.84
शुल्क दाता देशों से आयात*	एम. टी	985.45	1099.03	383.70	149.51
अमरीका	एम. टी	63.11	134.76	51.33	230.51
कनाडा	एम. टी	0.00	7.00	27.40	152.08
अमरीका, कनाडा	एम. टी	63.11	141.76	78.72	382.58
उपर्युक्त के अतिरिक्त देशों से आयात	एम. टी	9.36	41.78	18.00	76.31
कुल आयात	एम. टी	1057.91	1282.57	480.43	608.41
*देश जो पहले से पाटनरोधी शुल्क दे रहे हैं					

कुल घरेलू उत्पादन	एम. टी	269.28	237.25	544.88	456.30
देश में मांग	एम. टी	1327.20	1519.82	1025.31	1064.71
आयातों में बाजार हिस्से					
शुल्क दाता देश	%	93.15	85.69	79.87	24.57
अमरीका	%	5.97	10.51	10.68	37.89
कनाडा	%	0	0.55	5.7	25.00
अमरीका, कनाडा (कुल आयात)	%	5.97	11.06	16.38	62.89
अन्य देशों से आयात	%	0.88	3.26	3.75	12.54
कुल	%	100.00	100.00	100.00	100.00

डी जी सी आई एंड एस से आयात आंकड़े

उपरोक्त सारणी से ऐसा देखा जा सकता है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से भारत में विटामिन सी के आयातों में भारी वृद्धि हुई है।

3. निर्यात कीमत में भारी कमी

ऐसा महत्वपूर्ण है कि आयातों की मात्रा आयातों के मूल्य प्रभाव है। संबद्ध देशों के निर्यातकों ने मूल्यों में भारी कमी की है, जैसाकि निम्नलिखित सारणी में देखा जा सकता है:

रु०/किग्रा	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02
अमरीका	280.64	271.80	263.60	244.77
कनाडा	-	261.97	268.01	219.06

उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट है कि संबद्ध देशों से औसत निर्यात कीमतों में कमी आई है।

4. घरेलू उद्योग का उत्पादन

घरेलू उद्योग का उत्पादन 2000-01 तक के वर्षों में बढ़ा है, जांच अवधि के दौरान कमी आई है। उसके बाद, वह कीमत जिन पर उद्योग अपने उत्पादन बेचने के लिए बाध्य

है लाभकारी कीमत नहीं है, अतः घरेलू उद्योग को क्षति उठानी पड़ रही है।

5. याचिकाकर्ता(ओं) की बिक्री मात्रा

प्राधिकारी नोट करते हैं कि कुछ समय के भीतर उद्योग की बिक्री मांग में कमी आई है, उद्योगों को ध्यान में रखते हुए लाभप्रदता की कीमत पर अपने मूल्यों को महत्वपूर्ण रूप से कम करने के लिए बाध्य होना पड़ा है।

6. विक्रय मूल्य

बाजार में होने वाले सस्ते आयातों को ध्यान में रखते हुए उद्योग अपने विक्रय मूल्यों को कम करने के लिए बाध्य है जैसाकि निम्नलिखित सारणी में देखा जा सकता है :

वर्ष	बिक्री वसूली रुपये/किग्रा
1998-99	100
1999-00	91.11
2000-01	98.44
2001-02	86.89

नोट :- सूचकांक आंकड़े

उपरोक्त से स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग का विक्रय मूल्य कुछ वर्षों में कम हुआ है। वर्ष 1999-2000 की अपेक्षा 2000-2001 के विक्रय मूल्य उपांतिक रूप से बढ़े हैं यद्यपि जांच अवधि के दौरान पुनः वैसी हो कमी आई है।

7. मूल्य कटौती

प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटित आयातों ने घरेलू उद्योग को उत्पादन लागत बढ़ाने की बजाय मूल्य कम करने के लिए बाध्य कर दिया है। आयातित वस्तुओं का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्यों से ज़्यादा कम है जिसके कारण भारतीय बाजार में मूल्यों में भारी कटौती हुई है।

8. लाभप्रदता

प्राधिकारी नोट करते हैं कि उद्योग को विक्रय मूल्य अपनी उत्पादन लागत से कम रखने के लिए बाध्य किया गया है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को वित्तीय हानि हुई। घरेलू उद्योग का उत्पादन बढ़ा जब 1998-99 के साथ तुलना की गई, हालांकि अधिकतर उत्पादन से घरेलू उद्योग को कोई सहायता नहीं मिलती है क्योंकि घरेलू उद्योग को अभी भी हानि हो रही है।

9. मूल्य में कमी/हास

प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातित सामग्री का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से अत्यधिक कम है, जो घरेलू बाजार में मूल्यों में कमी/हास का कारण है।

10. रोजगार एवं मजदूरी

घरेलू उद्योग काफी कर्मचारियों की कमी करने के लिए बाध्य हुआ है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग द्वारा भुगतान की गई मजदूरी में भी काफी कर्मचारियों की संख्या में कमी करने के प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप गिरावट आई है।

11. वस्तु सूची

घरेलू उद्योग की वस्तु सूची में गिरावट आई है। तथापि वस्तु सूची में गिरावट को उत्पाद में गिरावट के साथ देखी जानी चाहिए।

12. नकद प्रवाह

लाभप्रदता के अनुरूप बाजार में उत्पाद के लगातार हो रहे पाटन के कारण उत्पाद की बिक्री से घरेलू उद्योग को लगातार नकद घाटा (2000-01 को छोड़कर) हो रहा है। इसके अलावा, वर्ष 2000-01 तक नकद घाटे जो गिरावट प्रदर्शित कर रहे थे और 2000-01 में घरेलू उद्योग को हुआ नकद लाभ जांच अवधि के दौरान पुनः नकद हानि में परिवर्तित हो गया।

13. उत्पादकता

उत्पादन में परिवर्तन के अनुरूप घरेलू उद्योग की उत्पादकता में 2000-01 में वृद्धि हुई तथापि इसमें पूर्व वर्ष की तुलना में जांच अवधि में गिरावट आई।

14. वृद्धि

उत्पादन और बिक्री के अनुसार घरेलू उद्योग 2000-01 तक अच्छी स्थिति में था (यद्यपि यह 1999-2000 में ऋणात्मक स्थिति में था), यह जांच अवधि में ऋणात्मक स्थिति में आ गया।

15. नए निवेश को बढ़ाने की समर्थता

घरेलू उद्योग को नए निवेदनों की योजना बनाने में कठिनाई हो रही है क्योंकि इसका निष्पादन वास्तविक रूप में खराब हो गया था।

16. निष्कर्ष

(क) संबद्ध देशों से पाटन मार्जिन काफी अधिक है और आयातों की मात्रा न्यूनतम से अधिक है।

(ख) संबद्ध देशों से आयातों में समग्र रूप में अत्यधिक और भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में भी वृद्धि हुई है।

(ग) संबद्ध देशों से निर्यात मूल्यों में भारी कमी हुई है।

(घ) घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य में भारी कमी हुई है।

(ङ) आयातों से कीमत में भारी कटौती हो रही थी और घरेलू उद्योग को मूल्य में युक्तिसंगत वृद्धि करने से रोका गया था।

(च) घरेलू उद्योग उत्पादन लागत से अत्यधिक कम लागत पर बिक्री करने के लिए बाध्य हुआ है।

अतः यह देखा जा सकता है कि उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ट. कारणात्मक संबंध

11.0 प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देशों, जो भारत को विटामिन सी के मुख्य निर्यातक हैं, से होने वाले आयातों के कारण हुई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों के निर्यात मूल्यों के कारण घरेलू उत्पाद के मूल्यों में

कटौती हुई है और घरेलू उद्योग उत्पादन लागत एवं क्षतिरहित मूल्य से कम मूल्य पर उत्पाद बेचने के लिए बाध्य हुआ है, परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग भरपाई करने में असमर्थ रहा था। अतः घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है।

11.1 दूसरे देशों से आयातों की मात्रा और मूल्य या तो न्यूनतम से भी अधिक है अथवा कीमतें काफी अधिक हैं।

11.2 उत्पाद के लिए मांग बढ़ रही है जैसे कि नीचे तालिका में देखा गया है:

जबकि वर्ष 1998 और जांच अवधि के बीच मात्रा में गिरावट प्रदर्शित होती है यह पाया गया था कि इसमें जांच अवधि और पिछले वर्ष के बीच वृद्धि हुई थी। इसके अलावा, 1998-99 और जांच अवधि के बीच घरेलू उद्योग की बिक्रियों में सकारात्मक रुख रहा। कुल आयातों में वास्तविक रूप में गिरावट आई। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि डीजीसीआईएण्डएस द्वारा संग्रहीत और जारी किए जा रहे आयात आंकड़ों को पूरी तरह नहीं दिया गया है। किसी मामले में चूंकि घरेलू उद्योग की बिक्रियों में 1998-99 और जांच अवधि के बीच वृद्धि प्रदर्शित होती है इसलिए मांग में गिरावट घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं है। पिछले वर्ष की तुलना में जांच अवधि में बिक्री मात्रा में आई गिरावट के मामले में यह नोट किया गया था कि मांग में अधिक वृद्धि हुई और जबकि घरेलू उद्योग ने बिक्रियां गंवाई, आयातों में काफी वृद्धि हुई।

11.3 खपत के तरीके में ऐसे परिवर्तन जैसे कारक विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी में विकास और निर्यात निष्पादन घरेलू उद्योग की क्षति के कारण के रूप में नहीं आते हैं।

11.4 निम्नलिखित कारक यह स्थापित करते हैं कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण क्षति हुई है:-

1. संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम थी, जिसने घरेलू उद्योग को पाटन में पहले पाए गए अन्य

स्रोतों पर पाटनरोधी शुल्क के लगाने के बाद उचित कीमत वसूल करने से रोका है ।

2. संबद्ध देशों से आयातों में महत्वपूर्ण रूप से वृद्धि हुई है । सीधे तौर पर घरेलू उद्योग की बिक्रियों में गिरावट आई है ।
3. कई स्रोतों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने से देश में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है । तथापि यूएसए और कनाडा से नए पाटन लगने और अन्य स्रोतों से पाटन जारी रहने से इसमें पुनः गिरावट आई ।
4. कई देशों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के बावजूद यू एस ए और कनाडा से नए पाटन और कई देशों से पाटन जारी रहने के कारण घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में सुधार नहीं हुआ ।

ठ. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

- 12.0 पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य सामान्य तौर पर ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की पुनः स्थिति लाना है जो कि देश के सामान्य हित में है ।

यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है । किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, विशेषकर तब जब पाटनरोधी शुल्क की लेवी उस राशि तक ही सीमित कर दी जाए जो कि याचिकाकर्ता कंपनियों को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक है । इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, भारतीय उद्योग का ह्रास रुकेगा और विटामिन सी के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहेंगे । पाटनरोधी उपायों से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे,

इसलिए उपभोक्ताओं के लिए इस उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

याचिकाकर्ता कंपनियों को हुई क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की मात्रा को सुनिश्चित करने के लिए प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता कंपनियों के ईष्टतम स्तर पर उत्पादन की अधिकतम लागत पर विचार करके भारत में याचिकाकर्ता कंपनियों के लिए विटामिन सी की उचित बिक्री कीमत पर विश्वास किया है।

ड. पहुँच मूल्य

13.0 आयातों के पहुँच मूल्य का निर्धारण पाटन से संबंधित पैरा में ऊपर उल्लिखित विटामिन सी की निर्यात कीमत के आधार पर सीमा शुल्क के प्रचलित स्तर तथा एक प्रतिशत उतराई प्रभारों को जोड़ने के बाद किया गया है।

ढ. निष्कर्ष

14.0 उपरोक्त पर विचार करने के बाद यह देखा गया है कि:

(क) यू.एस.ए., कनाडा के मूल अथवा वहाँ से निर्यातित विटामिन सी (एसकार्बिक एसिड) का भारत को निर्यात सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया है जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ है।

(ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;

(ग) यह क्षति संचयी रूप से संबद्ध देशों से आयातों के कारण हुई है।

अमरीका और कनाडा के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित विटामिन सी के सभी आयातों पर अनंतिम रूप से पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझा गया है।

15.0 प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करने पर विचार किया है जिसे यदि लगाया जाता है तो उससे घरेलू उद्योग की क्षति समाप्त हो जाएगी। इस प्रयोजनार्थ आयातों की पहुंच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित की गई घरेलू उद्योग की उचित बिक्री कीमत से की गई थी। जहां-कहीं यह अंतर पाटन मार्जिन से कम रहा था, वहां पाटन मार्जिन से कम शुल्क की सिफारिश की जाती है। अमरीका और कनाडा के मूल के अथवा वहां से निर्यातित विटामिन सी के सभी आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझा गया है।

16.0 अतः प्राधिकारी ने तदनुसार अमरीका और कनाडा के मूल से अथवा वहां से निर्यातित विटामिन सी और सामान्यतया प्रयोग होने वाले विटामिन सी के पर्यायों जैसे एसकार्बिक एसिड, एल साइलोएसकार्बिक एसिड 3 ऑक्सो एल गुलो फरानों लैक्टोन (इनोल रूप) एल 3 केटोथ्रिओ हैक्सोरोनिक एसिड लैक्टोन आदि जिसका विवरण मर्क इन्डैक्स की प्रविष्टि सं. 867 में दिया गया (जिन्हें इसके बाद संबद्ध वस्तु कहा गया है) जो अमेरिका और कनाडा के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हैं और सीमाशुल्क के शीर्ष 2936 के अंतर्गत आते हैं, के सभी आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करने का निर्णय लिया है। पाटनरोधी शुल्क नीचे कॉलम 9 में उल्लिखित राशि और प्रति किग्रा जिसे संबद्ध देशों के मूल के या वहां से निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय 29 के अंतर्गत आने वाले संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर लगाया जाएगा।

17.0

क्र. सं.	उपशीर्ष	उत्पाद का विवरण	विशिष्टियाँ	मूलता के देश	निर्यात के देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1.	2936.27	विटामिन सी और उसके पर्याय	कोई भी विशिष्ट	अमरीका	कोई भी देश	कोई भी उत्पादक	कोई भी निर्यातक	10.11	किग्रा	अमरीकी डॉलर
2.	2936.27	विटामिन सी और उसके पर्याय	कोई भी विशिष्ट	अमरीका को छोड़कर कोई भी देश	कोई भी देश	कोई भी उत्पादक	कोई भी निर्यातक	10.11	किग्रा	अमरीकी डॉलर
3.	2936.27	विटामिन सी और उसके पर्याय	कोई भी विशिष्ट	कनाडा	कोई भी देश	कोई भी उत्पादक	कोई भी निर्यातक	10.11	किग्रा	अमरीकी डॉलर
4.	2936.27	विटामिन सी और उसके पर्याय	कोई भी विशिष्ट	अमरीका को छोड़कर कोई भी देश	कोई भी देश	कोई भी उत्पादक	कोई भी निर्यातक	10.11	किग्रा	अमरीकी डॉलर

18.0 इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1975 की धारा 3, 3क, 8ख तथा 9, 9क के तहत लगाए गए शुल्कों सहित सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के अधीन सीमाशुल्क द्वारा यथा आकलन योग्य मूल्य होगा।

19.0 उपर्युक्त के अधीन, प्राधिकारी दिनांक 1.11.2002 के प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं।

20.0 उपर्युक्त आदेश के खिलाफ कोई अपील पूर्वोक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जा सकेगी।

एल.वी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

FINAL FINDINGS NOTIFICATION

New Delhi, the 10th July, 2003

Subject :—Anti-dumping investigation concerning imports of Vitamin C from USA and Canada—Final Findings.

No. 14/25/2002-DGAD.— The Government of India having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. PROCEDURE:

1. The procedure described below has been allowed with regard to the investigation:
 - i) The Designated Authority (herein after referred to as Authority), under the Rules, received written application from M/s. Sarabhai M. Chemicals, a unit of M/s. Ambalal Sarabhai Enterprises, Baroda Gujarat for and on behalf of domestic industry, alleging dumping of Vitamin -C originating in or exported from USA and Canada.
 - ii) The Authority issued a public notice dated 14 August, 2002 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti dumping investigations concerning imports of Vitamin-C originating in or exported from USA and Canada classified under heading 2936.27.00 of the Custom Tariff Act.

- iii) The Authority forwarded copy of the initiation notification, non confidential petition filed by the domestic industry and questionnaire proforma to known exporters, importers, users and embassies of subject countries in India, requesting them to advise the producers and exporters in their country to respond to the initiation notification in the prescribed proforma within the time limits prescribed.
- iv) Except M/s Roche, Mumbai, representing M/s Roche, USA, none of the producers/exporters from subject countries responded to the Designated Authority.
- v) The Authority issued a public notice (Preliminary Findings) dated 1st November 2002 published in the Gazette of India, Extraordinary, recommending imposition of Anti Dumping Duty – provisionally- pending further investigation. The imposition of provisional anti dumping duty by Department of Revenue was issued vide Notification No.143/2003 dated 27th December 2002.
- vi) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to the known interested parties who were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days of the date of the letter;
- vii) The Authority also forwarded a copy of preliminary findings to the Embassies of USA and Canada, New Delhi with a request that exporters and producers in their countries may be advised to furnish their views on the preliminary findings.
- viii) The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on 15th January 2003. All parties presenting views orally were requested to file written submissions, of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any.
- ix) Arguments raised by the interested parties before announcing the Preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings, notified have not been repeated herein for sake of brevity. However, the arguments raised by the interested parties have been considered in the preliminary findings and/or are proposed to be considered in Final Findings.
- x) In accordance with Rule 16 of The Rule supra, the essential facts/ basis considered for these findings are being disclosed to known interested parties and comments received on the same would also duly is considered in Final Findings.
- xi) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by all interested parties.
- xii) The Authority also conducted cost investigation and worked out optimum cost of production/ cost to make and sell in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles.
- xiii) The investigation covered the period 1st April 2001 to 31st march 2002 (12 Months)
- xiv) *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;

B PETITIONER'S VIEWS:**2.1 Submissions made by the domestic industry:****(a) Dumping from Japan, China, European Union and Russia,:**

The domestic industry was earlier suffering injury from severe dumping by the exporters from Japan, China, European Union and Russia. The Designated Authority conducted investigations into dumping from these countries, which have resulted in imposition of anti-dumping duty. The imports from these countries are already attracting anti-dumping duties. The Directorate is already investigating the review (sunset) of antidumping duty in case of Vitamin-C from China and Japan.

After imposition of anti-dumping duty against these countries/territories, exporters from USA & Canada started resorting to dumping of subject goods in the Indian market, taking advantage of the imposition of anti-dumping duties on other countries, resulting in injury to the domestic industry.

In view of the above, it is submitted that while examining injury to the domestic industry in the present case, existence of dumping from China, Japan, European Union and Russia causing injury to the domestic industry is required to be considered, particularly in terms of economic parameters affecting domestic industry and impacts of dumped imports on the prices in the market.

(b) Cumulative assessment of injury: -

The parameters laid down under the Rules for cumulative assessment of injury are well met in this case, as (a) quantum of imports from each of the subject countries is more than de-minimus; (b) dumping margin from each of the subject countries is more than de-minimus; and (c) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

(c) Petitioner has provided detailed information to the Designated Authority clearly establishing that the domestic industry has suffered severe injury and the same is relied upon. Petitioner submits that the following parameters summarize injury to the domestic industry.

1. Imports of subject goods from the subject countries have increased significantly in absolute terms.
2. The share of imports from the subject countries in relation to imports of subject goods in India has increased significantly.
3. The share of imports from subject countries in relation to demand in India has increased significantly.

(d) Various Economic Parameters affecting domestic industry

1. Production, capacity utilization of the domestic industry which had been increasing till 2000-01 declined in period of investigation.
2. The sales volume of the industry has also declined inspite of reduction in selling price.
3. The imports forced the domestic industry to sell the product below its fair value, since the domestic industry was forced to match the prices. Thus, the imports forced the domestic industry to undersell the product.
4. The landed value of imported material was significantly below the selling price of the domestic industry causing price undercutting in the Indian market.
5. The level of stocks, which had been declining and became zero in 2000-01, increased significantly in POI.
6. The landed value of imported material is significantly below the cost of production and fair selling price of the domestic industry causing severe price undercutting and price suppression in the Indian market.
7. The domestic industry continues to incur significant financial losses as a result of continued dumping in the Indian Market. The financial position of the domestic industry should have improved after imposition of anti-dumping duties on a number of countries. However, the domestic industry continued to face severe financial losses.
8. The domestic industry is not able to raise fresh capital or plan new investments as the domestic industry is loosing heavily in their operations.
9. The dumping margin are not only more than de-minimus, but also very significant. Significant dumping margins have very adversely affected the performance of the domestic industry.
10. Due to financial losses, cash flow of the domestic industry for the product concern remains negative.
11. Employment level of the domestic industry has declined. Continued losses to the domestic industry have resulted into unsafe feeling in the minds of the employees.
12. Reduction in employees has also resulted into reduction in total wage being paid on account of employees. However, average wage per employee has increased in accordance to the prevailing law in the country.

13. Productivity per employee has increased mainly due to reduction in employees and due to increase in production due to imposition of Anti Dumping duty against certain countries.

(e) Duty in US \$:

Though the Designated Authority has already recommended anti-dumping duty in terms of US \$, it is submitted that the final duties may also be recommended in terms of US \$ only, so that erosion in the quantum of protection does not take place on account of changes in the exchange rate. However, the duties may please be recommended in terms of reference price.

(f) On Product under Consideration

i) Submissions made by the domestic industry

The product involved in the present investigation is Vitamin-C in all its form and derivatives. It is also known as ascorbic acid. It is classified under customs sub-heading no. 2936.27 under the Customs Tariff Act. It is also known by various synonyms such as L-Xyloascorbic Acid, 3-oxo L-gulofuranolactone (enol form), L-3-Ketothreohexuronic Acid Lactone etc., as described under entry number "867 of MERCK INDEX".

- ii) The product under consideration in the present investigation is Vitamin-C, originating and exported from USA and Canada. Vitamin - C is classified under Chapter 29 of the Custom Tariff and the Customs subheading no. 2936.27 in the Custom Tariff Act, 1975. The classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

(g) On Like Article

Submissions made by the domestic industry

- i) There is no significant difference between the product imported from subject countries and produced by the Indian industry in terms of physical & technical characteristics (or product specifications), manufacturing process, plant & equipment, technology, function and uses, marketing, pricing, tariff classification and customer perception. The goods produced by the petitioners and the product under consideration are substitutable with each other.
- ii) Rule 2(d) of the Anti dumping Rules specifies "Like Article" means an article, which is identical or alike in respects to the product under investigation or in the absence of such an Article, another article, having characteristics closely resembling those of the articles under examination;
- iii) The petitioner has claimed that there is no known difference in the goods produced by the domestic industry & Vitamin-C exported from the subject

countries.. Vitamin-C produced by Indian industry and imported from subject countries are similar in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specification pricing distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers have used and are using the Vitamin-C produced by the domestic industry interchangeably.

Standing Of the Domestic Industry

(h) On Domestic Industry

Submissions made by the domestic industry

The petition was filed by M/s. Ambalal Sarabhai Enterprises Limited. There are two other producers of Vitamin-C in India. M/s. Amoli Organics Limited is the other producer of the product. M/s. Jayant Vitamin Limited had also created capacity for production of subject goods. However the company has suspended production long back. Two producers namely M/s New S-chem Search Ltd & M/s Kerbs Bio Chemicals Ltd. have commenced their production after period of investigation, albeit in small volumes. There are other units, namely M/s Cardinals Drugs Ltd. & M/s Tonira Pharma which are producing Vitamin-C for export purposes, after the investigation period. The petitioner accounts for major proportion of Indian production and thus satisfies the standing under anti dumping duty rules.

2.2 Submissions made by New S Chem Search Ltd.

- (a) They would like to bring kind notice of the Authority that we have multi-purpose bulk drug facilities in our plant situated at Savli (District Vadodara) wherein we manufacture number of Bulk Drugs, Intermediates and Specialty Chemicals. In order to expend our activities and also to utilize our manufacturing capacities, they had already established commercial production of Vitamin C from the intermediate stage during the current year. However, we find that imported Vitamin C in the market still exist and is available at a lower price in spite of imposition of Anti Dumping duty. In view of this, their own production has been limited. They have also offered our facilities for contract manufacture to other parties.
- (b) They, therefore, request the Authority to kindly initiate investigations and to complete the procedure of imposition of Anti Dumping duty as has been envisaged in the recent notifications. This will provide a platform to the indigenous manufacturers of Vitamin C to get a fair and just opportunity to compete with the prices of imported materials.

2.3 Submissions made by Krebs Biochemicals Limited, Hyderabad.

- (a) They have come to know that Ministry has initiated proceedings for levying Anti Dumping Duty on imports of Vitamin C. They wish to inform you that they are a major producer of Bulk Drugs based on fermentation process and having presence in domestic as well as export market. Vitamin C is one of the products where a fermentation stage is involved and therefore, we have been undertaking production of this item starting from fermentation stage. We have obtained some experimental production during the current year. However, we find that it is difficult to sustain this on regular basis unless we establish our plan for producing this item by manufacturing intermediate 2 Keto Gulonoc Acid by fermentation indigenously. This is because of import of Vitamin C continue to come through various channels in spite of the imposition of Anti Dumping Duty. They, therefore, request Authority to kindly take steps to levy suitable Anti Dumping Duty against all such countries which are exporting this material at dumping prices and also initiate suitable enforcement procedure. This will definitely help them to develop the technology and encourage them to make suitable investment for making vitamin C from basic stage.

2.4 M/s. Anglo French Drugs & Industries Ltd., Bangalore:

1. They have stated that they are one of the latest consumers of Vitamin 'C' plain, using their own form formulations.
2. Local manufacturers of Vitamin 'C' are not in a position to offer the material to actual user due to their own problems and reasons.
3. Provisional anti dumping duty on Vitamin 'C' has resulted in substantial hike in fixed prices.
4. Domestic industry is not in a position to meet the demand of Vitamin 'C' in the country.
5. Authority may consider and take suitable decision to remove the anti dumping duty on imported Vitamin 'C' from USA & Canada with immediate effect in the interest of health care industry of the country.

Other Issues**2.5 Submissions made by M/s. Bajaj Healthcare Pvt. Limited**Incomplete Petition :

- 1.0 They have drawn attention to para 1 under the Heading "GENERAL" page 2 of the Application Proforma, with regard to documented petition.
- 1.1 The imported product information furnished at PART - I of the petition relates to Vitamin C conforming to BP/USP Specification, and Vitamin C Type A coated. However, the subsequent, information furnished relates only to Vitamin C conforming to BP/USP specification.

No information has been furnished relating to VITAMIN C Type "A" coated.

1.2 The Petition Part II does not contain the names and addresses of all the Indian producers alongwith the production (volume and value) of subject goods during the last two years, and the current year. This information is essential to determine the standing of the petitioner in terms Rule 5 (3) of Anti Dumping Rules. However, the petitioner has deliberately concealed the information to wrongly justify their standing to file the petition.

1.3 The Petitioners has not furnished information relating to Normal Value of Vitamin C in USA and Chinese Taipei, and marked as confidential.

- 2.0 Initiation of anti dumping investigation without examination of the accuracy and adequacy of the evidence
- 3.0 Inadequate information in initiation notification
- 4.0 Preliminary findings contrary to provisions of rules
- 5.0 Anti Dumping Duty Is Exporter Specific
- 6.0 Misuse Of Confidentiality Provision
- 7.0 Notification No.143/2002 – Cus. Dated 27.12.2002 Contrary to Provisions of Law
- 8.0 Termination Of Investigation

In view of the above, they have requested that the anti dumping investigation should be terminated under Rule 14(b) & 14 (e) of the Anti Dumping Rules.

2.7 Submissions made by the domestic industry

Preliminary Submissions:

At the out set, petitioner submits that

- The written submissions filed by the opposing interested parties are delayed and not filed within the limits prescribed by the Designated Authority and should not be considered by the Designated Authority.
- The opposing interested party has not filed any questionnaire response, which is sufficient to show mallafied intention of opposing interested party.
- There are a number of irrelevant issues and allegations made by the opposing interested party upon the whole proceeding as well as on the procedure being followed by the Designated Authority.

- Without prejudice to their submissions that the written submissions made by the opposing interested party are beyond the time limits and should be disregarded by the Designated Authority. Para wise comments are:

Domestic industry's comments on the views expressed by M/s Bajaj Health Care Pvt. Limited have been discussed in the Disclosure Statement;

2.8 Views of the Authority:

- 1) The Designated Authority has considered all relevant arguments for determination of final finding.
- 2) On M/s Bajaj Heath Care submissions:
 - i. Authority notes that M/s Bajaj Heath Care has not furnished the information in the questionnaire in the form and manner prescribed.
 - ii. Authority notes that the request for copy of non-confidential version of petition was provided to them for offering comments;
 - iii. The allegation of the opposing interested party is without consideration of the facts on records. Perhaps, opposing interested party has referred to various confidential documents of the petition filed by the Petitioners, with regard to domestic selling price, cost of production of subject goods, claimed as confidential and accepted so by the Authority;
 - iv. As regards to number of manufacturers of subject goods in the country, it is mentioned in the petition, that there are two other manufacturers of Vitamin C in India. M/s. Amoli Organics has also supported the petition. Regarding other producers, which shows that production made by them is negligible or beyond the investigation period and for export purposes. Further, some of these parties have supported the petition.
 - v. It is practice of the Designated Authority not to disclose the correspondence with the domestic industry made before the initiation of the investigation, nor there is any necessity for the same, as the petitioner filed updated and fully documented petition prior to initiation, which covered all the issues which had come up prior to initiation.
 - vi. It is very clearly mentioned in the initiation notification that the there was prima-facie evidence of dumping, injury and causal link. Thus, there is no violation of Rule 5(2). Authority notes that the purpose of 'initiation' is 'investigation'. It can not be argued that the Designated Authority should investigate the matter before initiation.
 - vii. The methodology used in determination of normal value and export price is given in the preliminary finding, under para H.

- viii. Rule 17 (3) ,merely states that the Designated Authority should determine separate dumping margin for individual exporter. However, such specific duty can only be determined in respect of co-operative exporters. Specific / Individual duty can not be demanded in respect of non-cooperative exporters. And in the present case, none of the exporters have cooperated with the investigation.

C VIEW OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

3.0 Views of Exporters:

3.1 M/s Roche Scientific Co. (I) Pvt Ltd, Vitamins & Fine Chemicals Division, Mumbai

M/s. Roche, Mumbai, representing the producer M/s Roche, have indicated that neither the exporter nor its affiliated have received communication regarding the petition and primary investigation for anti dumping duty on Vitamin 'C' of USA origin. They requested the Authority to give at least one month extended period for contesting the case to respond to the initiation notice.

Authority notes that the information furnished vide submission dated 25.10.2002 was examined and found deficient. This was communicated vide DGAD Letter dated 26.11.2002

1. The information vide fax dated 25th October,2002 doesn't contain all enclosure as stated. Encl 11 – 'copy of Annual publication by IDMA for the year ended 2002 not enclosed. The hard copy of the response not yet received;
2. As per the submission the main Entity M/s Roche USA is the producer. Only M/s Roche Singapore seem to have furnished information;
3. Many transaction listed under domestic sales (ref Annexure 1) pertain to post period of investigation. May furnish all domestic sales made during the period of investigation;

4. Please furnish information as per Exporters Questionnaire para B to H ;
5. Furnish Appendix A , B alongwith Appendix 3,5,7,8,&9 ;
6. Furnish company's Balance Sheet , Profit & Loss Account for period of investigation and previous three years;
7. May elaborate on the company's related arm in India and with regard to marketing and sales arrangements to India;
8. Please furnish the hard copy of the response in duplicate and should invariably accompany with a soft copy (on Floppy Diskette / Compact Disc);

The exporters were requested to remove these deficiencies and furnish additional information latest by 20.12.2002. However, no response was received by the Authority, from the exporter.

3.2 M/s Vita Health Products, 150, Beghin Avenue, Winnipeg, Manitoba R 21 3w2

They have informed that they will not be completing the questionnaire as M/s. Vita Health Products Inc. has not exported Vitamin 'C' to India during the period of investigation. They have also indicated that M/s. Stanley Pharmaceuticals (owned by Vita Health Products since the year 2000) have not exported Vitamin 'C' to any organisation in India.

3.3 M/s Tech International, Johnstown, OH 43031.

They have stated that Tech International is a manufacturer of Rubber Tubes and Tyres repairs. Tech products are widely used in tyre industry, passenger vehicles, trucks and buses. They have indicated that they are not in the business of Vitamin 'C' and its derivatives and have not exported Vitamin C in any form to India.

3.4 M/s. Watford Chemicals Co.Ltd.

The exporters have indicated that they have not exported Vitamin C to India directly or indirectly. They have stated that they have exported to North America and Europe only.

3.5 Canadian High Commission, New Delhi

They have stated that they have contacted exporters identified in the complaint and have confirmed that there were no exports of Vitamin 'C' made by Canadian exporters to India. The Canadian export statistics and World Trade Atlas, (a data bank on global exports and imports) shows nil exports during the period of investigation. In the circumstances, they have requested the Authority to terminate the investigation.

3.6 M/s Novopharm Limited, Ontario, Canada

They have stated that they did not manufacture Vitamin C and have not made any sale to India during the period of investigation;

3.7 Views of Importers/ Users:-

M/s Gandhi Parmaxeuticals, Chennai
M/s Bajaj Health Care, Mumbai
M/s The Chemists & Druggists Association, Bombay
M/s Kowaral & Sons, Chennai,

(a) Domestic Industry is importing the final stage intermediate 2 – Ketogluonic Acid from China and their cost of production is substantially lower than the producer in exporting countries.

(b) There is difference between the technologies adopted by the petitioner and by produced by the subject countries.

(c) The cost of production from 2 – Ketogluonic Acid is much less. If the same cost of production is assumed for China Taipei, the normal value of Manufacturer in China Taipei can not be USD 11.66/Kg. This clearly shows that the data have been fabricated by the petitioners.

(d) Amoli Organics Limited is a new entrants in the market and having much lesser production share as stated in the petition. However, imports have not caused any injury to them as well as to us. This shows that they are inefficient and incapable due to which they are suffering injury. They have deliberately withheld information about other manufacturer of the product such as M/s. New - S - Chem Search Limited, M/s. Kerbs Biochemicals Limited, M/s. Cardinals Drugs Limited, M/s. Lachem Pharmaceuticals Limited. M/s. Tonira Pharma Limited, M/s. Lacure Pharmaceuticals Limited etc. to whom no injury is caused due to imports.

3.8 Authority's Position

As regards to extension of time sought by M/s Roche it is noted that the company has failed to give sufficient reasons while seeking extension of time as envisaged in the Rules, hence no extension was allowed. Further, exporters were requested to remove the deficiencies pointed out in their response to the questionnaire and furnish additional information latest by 20.12.02. However, no response was received by the Authority from the exporter.

As regards to claims of nil export from subject country Canada, it is noted that substantial imports have been reported by Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI & S), Kolkatta. Further, DGCI&S, Kolkatta, furnished transaction wise details of imports for the period of investigation from Canada. As major imports have been effected through Chennai and Mumbai ports, respective Commissioner Customs, were requested to furnish details of imports of subject goods from Canada. Chennai Customs, vide their letter no.S58/7/2003 Appg (Main) dated 17.6.2003 reported that a quantum of 57.95Mt has been imported during the period of investigation, which constituted around 9.5% of total imports, well above the de minimus limit. Further, Authority notes that no comments has been received from Canadian Embassy on disclosure statement

Evidence of Imports submitted by the Petitioners as reported by 'Chemical Weekly', Mumbai, also indicate that there have been imports from Canada and USA;

In the circumstances, Authority hold that there has been substantial imports of subject goods from Canada during the period of investigation.

D EXAMINATION OF ISSUES RAISED

- 4.0 The submissions made by the petitioner and other interested parties have been examined and issues with reference to the Rules and having a bearing on this case have been considered and dealt with at appropriate place in the notification.

E PRODUCT UNDER CONSIDERATION & SCOPE OF INVESTIGATION

- 5.0 The Product under Consideration in the present investigation is Vitamin C originating in or exported from USA and Canada. Vitamin C is classified under the Customs sub-heading no. 2936.27 in the Customs Tariff Act, 1975. The classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

No arguments have been raised by any interested parties claiming that Vitamin -C produced by the petitioners and the Vitamin -C produced and exported by the exporters are different with regards to the product under consideration. The Designated Authority, therefore, confirms the preliminary finding in this regard.

F LIKE ARTICLES:

- 6.0 Rule 2(d) of the Anti dumping Rules specifies that "Like Articles" means an Article, which is identical or alike in respects to the product under investigation or in the absence of such an Article, another article, having characteristics closely resembling those of the articles under examination

The Authority notes that the Vitamin-C produced and sold by domestic industry and those imported from the subject countries have similar characteristics and should be treated as like articles. Petitioners have also claimed that there is no significant different in the technology adopted by petitioner and by the producers in these countries. Though, every manufacturer fine-tunes production process according to available facilities and necessities.

- 7.0 The Authority also finds that there is no argument disputing that Vitamin C produced by the domestic industry has characteristics closely resembling the imported material and is substitutable by Vitamin C imported from the subject countries both commercially and technically. Vitamin C produced by the domestic industry has been treated as Like Article to the product exported from USA and Canada within the meaning of Rule 2(d). In view of the above, the Authority therefore confirms the preliminary findings in this regard.

G DOMESTIC INDUSTRY

- 8.1 The petition has been filed by M/s. Ambalal Sarabhai Enterprises Limited having its Registered Office at Wadi, Baroda-390007. There are two producers of Vitamin C in India. M/s. Amoli Organics Limited, is the other producer of the product. Earlier, M/s. Jayant Vitamin Limited had also created capacity from production of Vitamin-C, however, the company is closed.
- 8.2 Authority notes, M/s New S-hem Search Ltd, Vadodara & M/s Kerbs Bio Chemicals Ltd, Hyderabad have started production after the period of investigation, whereas, other units like M/s Cardinals Drugs Ltd, M/s Tonira Pharma etc are reported making the product for export purposes. Further M/s Bajaj Health Care has not given any quantified data either about these companies or their own status of subject goods.
- 8.3 Authority holds that the petitioner accounts for major proportion of the Indian production and thus satisfies the standing, under the Rules.

H DUMPING

- 9.0 Normal Value Export Price And Dumping Margin And Examination By The Authority Is Discussed Hereunder.

Normal value

Under Section 9A (1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) "the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular mark situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-

- (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (b) the cost of production of the said article in the country of origin alongwith reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin".

- 9.2 The Authority sent questionnaires to all the known exporters and producers of Vitamin C in Subject Countries. However, none of the exporters except M/s Roche from subject countries responded to the Authority and have not furnished any information in the form and manner prescribed by the Authority.
- 9.3 The response filed by M/s Roche (M/s Roche Singapore) was grossly deficient as mentioned herein above. The exporter has not rectified the deficiency and has not responded in spite of sufficient time and opportunity provided for furnishing the information. Authority notes that the nature of missing information called for from the company entities is vital for the determination of normal value. Under the circumstances, authority is prevented from accepting the response for determining normal value.
- 9.4 The Authority, therefore, holds that none of the exporters from subject countries have co-operated with the Authority as envisaged under the rules. In the circumstances Normal Value has been based on the price information viz price list of one of the producer of subject goods in USA, provided by the domestic industry in accordance with Rule 6(8). For Canada normal value has been based on the price in same region/ continent (i.e. prevailing price in USA). The Normal Value for USA and Canada has been determined at US \$ *** per Kg.

Export Price:

- 9.5 None of the exporters from subject countries responded to the Authority and have not furnished any information. Vitamin C is classified under Customs sub-heading no. 2936.27. The export price has been determined on the basis of the information compiled by DGCI&S for the period of investigation.

The average export price has been adjusted for commissions, inland freight, overseas freight, packing & handling charges on the basis of best available information and in accordance with Rule 6(8). The export price has been determined at US\$ *** per Kg in respect of USA and at US \$ *** per Kg in respect of Canada respectively.

9.6 **Dumping Margin:**

The Rules relating to comparison provides comparison of normal value and export price provides as follows:

“While arriving at margin of dumping Designated Authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. A comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level and in respect of sales made and as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case on its merits, for differences which occur price comparability including differences in conditions and terms and sales, taxation, levels of trade quantities, physical characteristics and any other differences which are demonstrated to affect price comparability”.

The authority has carried out weighted average ex-factory normal value comparison with the weighted average ex-factory export price in period of investigation, for evaluation of the dumping margin for all the exporter/ producers of the subject country wherever appropriate.

The dumping margin for exporter/ producer comes as under:

COUNTRY	Normal Value	Export Price	Dumping Margin	D M as a % of Export price
USA	***	***	***	97.80
CANADA	***	***	***	112.26

I INJURY:

10.0 Under Rule 11 supra, Annexure-II, When a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree;

Rule (iii) of the Annexure II to the Rules requires that "in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigation, The Authority will cumulatively assess the effect of such imports. Such assessment can be, however, made only if it is determined that:

- a) the margin of dumping in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the import of the like article in India, and
- b) the cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article."

1. The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from subject countries are more than the limit prescribed above. Cumulative assessment of the effect of the imports from subject countries is appropriate since the export prices from these countries were directly competing with the prices offered by the Domestic Industry in the Indian market and displacing domestic producers here.

2. **Substantial increase in import from the subject countries in absolute term:**

The imports of Vitamin-C from the subject countries have increased in absolute terms. The Annexure-II (ii) of the Indian Anti-dumping rules provides as under: -

“While examining the volume of dumped imports, the said authority shall consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute terms...”

In the instant case, the imports of Vitamin-C from the subject countries have increased significantly in absolute terms, as may be seen from the table below:

Particulars	Unit	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02
Imports					
Imports-China*	MT	405.54	227.73	290.67	130.97
Imports-Japan*	MT	312.70	239.70	49.50	1.70
Imports EU and Russia*	MT	267.20	631.60	43.54	16.84
Imports from -Countries attracting duty*	MT	985.45	1099.03	383.70	149.51
USA	MT	63.11	134.76	51.33	230.51
Canada	MT	0.00	7.00	27.40	152.08
USA, Canada	MT	63.11	141.76	78.72	382.58
Imports Other than above	MT	9.36	41.78	18.00	76.31
Total Imports	MT	1057.91	1282.57	480.43	608.41
<i>* Countries already attracting Anti Dumping Duty.</i>					
Total Domestic Production	MT	269.28	237.25	544.88	456.30
Demand in the Country	MT	1327.20	1519.82	1025.31	1064.71
Market share in Imports					
Countries attracting duty	%	93.15	85.69	79.87	24.57
USA	%	5.97	10.51	10.68	37.89
Canada	%	0	0.55	5.7	25.00
USA, Canada (Total Imports)	%	5.97	11.06	16.38	62.89
Imports from Other countries	%	0.88	3.26	3.75	12.54
Total	%	100.00	100.0	100.00	100.00

Import data As per DGCI&S

It may be seen from the above table that there is significant increase in imports of Vitamin-C in India from subject countries in the period of investigation.

3. **Significant decline in export price:**

More significant that the volume of imports is the price effect of imports. The exporters from the subject countries have reduced the prices significantly, as may be seen from the following table:

Rs. Per KG	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02
USA	280.64	271.80	263.60	244.77
CANADA	-	261.97	268.01	219.06

It is evident from the above, average export price from subject countries have declined.

4. **Production of the domestic industry:**

The production of the domestic industry has increased over years till 2000-01, declined in the period of investigation. Further, the price at which the industry has been forced to sell the product is not remunerative price, hence causing injury to the domestic industry.

5. **Sales volume of the petitioner (s)**

Authority notes that the sales volume of the industry have declined over the period, the industry has been forced to reduce its prices significantly at the cost of its profitability in view of the dumped imports.

6. **Selling price**

The industry has been forced to reduce its selling prices as may be seen from the following table, in view of cheap imports in the market:

Year	Sales realization Rs.Per Kg.
1998-99	100
1999-2000	91.11
2000-2001	98.44
2001-2002	86.89

Note: Indexed figures

It is evident from the above that the selling price of the domestic industry have declined over the years. Selling price have increased marginally in 2000-01 over, 1999-00, however, the same declined again in the investigation period.

7. **Price undercutting**

The Authority notes that the dumped imports have forced the domestic industry to reduce its prices in spite of increase in the cost of production. The landed value of the imported material is significantly below the selling prices of the domestic industry, causing severe price undercutting in the Indian market.

8. **Profitability**

The Authority notes that the industry has been forced to keep its selling prices below its cost of production, resulting in continued financial losses to the domestic industry. The production of the domestic industry increased when compared to 1998-99, however, higher production did not help the domestic industry as the domestic industry is still making losses.

9. **Price suppression/depression**

The Authority notes that the landed value of the imported material is significant below the cost of production of the domestic industry causing price suppression and depression in the Indian market.

10. **Employment and wages**

The domestic industry has been forced to reduce number of employees. Further, the wages paid by the domestic industry has also declined as a direct consequence of reduction in number of employees.

11. **Inventories**

Inventories with the domestic industry have declined. However, decline in inventories must be seen alongwith decline in the production itself.

12. Cash Flow

On the lines of profitability, the domestic industry is suffering continuous cash losses (except 2000-01) from sale of the product due to continued dumping of the product in the market. Further, cash losses which were showing decline till 2000-01 and the domestic industry made cash profit in 2000-01, again turned into cash losses in the investigation period.

13. Productivity

On the lines of changes in production, productivity of the domestic industry increased upto 2000-01. The same has, however, declined again in the investigation period as compared to previous year.

14. Growth

On the lines of production and sales, growth of the domestic industry was positive upto 2000-01 (even though the same was negative in 1999-2000), the same became negative in the investigation period.

15. Ability to raise fresh Investment

The domestic industry is finding it difficult to plan fresh investments given that the performance has materially deteriorated.

16. Conclusions:

- a) The dumping margins from the subject countries are significant and volume of imports are more than de-minimis;
- b) Imports from subject countries have increased significantly in absolute terms, as also relative to production and consumption in India;
- c) The export price from the subject countries has declined significantly.
- d) Selling price of the domestic industry have declined significantly.
- e) The imports were causing severe price undercutting and prevented the domestic industry from effecting legitimate price increases;
- f) The domestic industry has been forced to sell at prices significantly below cost of production.

It may thus be seen that the industry has suffered material injury.

K CAUSAL LINK:

- 11.0 The Authority holds that the material injury to the domestic industry has been caused by imports from the subject countries that are major exporters of Vitamin C to India. The Authority notes that import prices from the subject countries have undercut the prices of the domestic product forcing the domestic industry to sell below its cost of production and non-injurious price which resultantly, the domestic industry was unable to recover. The material injury to the domestic industry was therefore caused by the dumped imports from the subject countries.
- 11.1 Volume and value of imports from other countries are either de-minimus or the prices are significantly higher.
- 11.2 Demand for the product is on the increase. While the demand between 1998-99 and the investigation period shows declining trend, it is found that the same has increased between the investigation period and the previous year. Further, between 1998-99 and the investigation period, while the sales of the domestic industry shows a positive trend, total imports have declined significantly. Petitioner has alleged that the imports are not fully being reported in the data being compiled and released by the DGCI&S. In any case, since the sales of the domestic industry shows increase between 1998-99 and the investigation period, decline in the demand has not caused injury to the domestic industry. As regard decline in sales volumes in the investigation period as compared to previous year, it is noted that demand has rather increased and while the domestic industry has lost sales, the imports have increased significantly.
- 11.3 Factors such as changes in pattern of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance does not appear to be a cause of injury to the domestic industry.
- 11.4 The following factors establishes that injury to the domestic industry has been caused due to dumped imports: -
- a. Landed price of imports from the subject countries was significantly lower than the selling price of the domestic industry, preventing the domestic industry from realizing fair prices after imposition of anti dumping duty on other sources earlier found to be dumping.

- b. Imports from the subject countries have increased significantly. As a direct consequence, sales of the domestic industry have declined.
- c. Market share of domestic industry in demand in the Country increased with imposition of anti dumping duty on a number of sources. However, the same declined again with fresh dumping from USA and Canada and continued dumping from other sources.
- d. In spite of imposition of anti dumping duty on a number of countries, the profitability of the domestic industry has not improved due to fresh dumping experienced from USA and Canada and continued dumping from a number of countries.

L Indian Industry's Interest and other issues:

- 12.0 The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the petitioner companies and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

It is recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the petitioner companies. On the country, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the petitioner company(ies) and help maintain availability of wider choice to the consumers of Vitamin-C. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the petitioner companies, the Authority has relied upon non-Injurious selling price of Vitamin-C in India for the petitioner companies, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilization for the petitioner companies.

M. LANDED VALUE :-

- 13.0 The landed value of imports is determined on the basis of export price of Vitamin C determined as detailed above in the para relating to dumping, after adding the prevailing level of customs duties and one per cent landing charges.

N. CONCLUSIONS:

- 14.0 The Authority, after considering the foregoing, concludes that
- (a) Vitamin-C (Ascorbic Acid) originating in or exported from USA, Canada and has been exported to India below normal value, resulting in dumping ;
 - (b) The Indian industry has suffered material injury ;
 - (c) The injury has been caused cumulatively by the imports from the subject countries.

It is considered necessary to impose definitive anti-dumping duty, on all imports of Vitamin-C originating in or exported from USA and Canada.

- 15.0 The Authority considered recommending the amount of Anti-Dumping Duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to domestic industry. The average landed price of the imports, for the purpose, was compared with the non-injurious selling price of the domestic industry, determined for the period of investigation. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended. It is considered necessary to impose definitive antidumping duty, on all imports of Vitamin C originating in or exported from USA and Canada.

- 16.0 Accordingly, the Authority has therefore, decided to recommend definitive Anti-dumping Duty to be imposed, on all imports of Vitamin-C and most commonly used synonyms of Vitamin C like Ascorbic Acid, L-Xyloascorbic Acid, 3-Oxo-L-gulofuranolactone (enol form), L-3-Ketothreohexuronic Acid Lactone etc., as described under entry number" 867 of MERCK INDEX"(also referred as subject goods) falling under Custom Heading 2936 originating in or exported from USA and Canada. The Anti-Dumping duty shall be the difference between the amount mentioned in column (9) table below and the landed value of imports per kg to be imposed on all imports of subject goods falling under Chapter 29 of the Customs Tariff, originating in or exported from subject countries : -

17.0

Sl. No	Sub Heading	Description of goods	Specification	Country of Origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1.	2936.27	Vitamin C & its synonyms	Any Specification	United States of America	Any Country	Any Producer	Any Exporter	10.11	Kilogram	US \$
2.	2936.27	Vitamin C & its synonyms	Any Specification	Any country except Canada	Any Country	Any Producer	Any Exporter	10.11	Kilogram	US \$
3.	2936.27	Vitamin C & its synonyms	Any Specification	Canada	Any Country	Any Producer	Any Exporter	10.11	Kilogram	US \$
4.	2936.27	Vitamin C & its synonyms	Any Specification	Any country except United States of America	Any Country	Any Producer	Any Exporter	10.11	Kilogram	US \$

- 18.0 Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B and 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.
- 19.0 Subject to above, the Authority confirms the preliminary findings dated 1.11.2002.
- 20.0 An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act supra.

L.V. SAPTHARISHI, Designated Authority